तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कांकेर भूमि

रायपुर, बुधवार 10 जून 2026

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

12 4 माह की अबोध बच्ची को मिला सूरत के जैन...

12 घरेलू सहायिका से मारपीट और गला दबाने का...

10वीं-12वीं पास विद्यार्थी ध्यान दें- औद्योगिक सुरक्षा एवं अग्निशमन प्रशिक्षण द्वारा नौकरी सुनिश्चित करें...

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं

विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए-**

पता: फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क करें: मो. 7697212782

Advt.

खबर संक्षेप

अवैध रेत परिवहन में लगा ट्रैक्टर बीच सड़क पर, कार्रवाई नहीं

कांकेर। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम नंदनमारा नदी से मंगलवार की सुबह-सुबह अवैध रेत का परिवहन कांकेर शहर में किया जाता है। मंगलवार की सुबह बिना नंबर की ट्रैक्टर ने अलबेलापारा में रेत देने के बाद डीजल खत्म होने के चलते एसपी बंगला के पास मुख्य सड़क पर कई घंटे तक खड़ा रहा। वहीं चालक सीट पर नाबालिक बैठा हुआ नजर आया। खनिज विभाग ऐसे ट्रैक्टरों पर कार्रवाई नहीं कर पा रही है।

छठवीं में प्रवेश के लिए 20 जून तक मौका

कांकेर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 05 जुलाई दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 02 बजे तक किया जाएगा। इसके लिए आवेदन आगामी 20 जून तक किया जा सकता है। आदिवासी विकास की सहायक आयुक्त जया मनु ने बताया कि परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को वर्तमान में कक्षा 5 वीं में नियमित अध्ययनरत होना आवश्यक है तथा कक्षा चौंथी की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड से प्राप्त करने वाले विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल होने हेतु पात्र होंगे।

फांसी लगाकर दी जान, मर्ग कायम

कांकेर। चौकी दुधावा अंतर्गत मालगांव निवासी 57 वर्षीय धनश्याम पद्दा पिता दशरथ पद्दा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक के बेटे ने पुलिस को बताया कि उनके पिता घनश्याम पद्दा ने 8 जून को खेत की पेड़ में गमछा का फांसी बनाकर फांसी लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

बिजली की देरी से युवाओं के स्टार्टअप के सपनों पर ग्रहण, छह महीने से युवा परेशान

देश में मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से युवाओं और उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन कांकेर जिला में सीएसपीडीसीएल के कारण जमीनी हकीकत इन दावों के विपरीत दिखाई दे रही है।

डिमांड की राशि 2.48 लाख जमा करने के बाद भी अब तक कनेक्शन नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले के कोदागांव क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों का निर्माण करने के लिए स्थापित क्षतिपूर्ति मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी विगत छह माह से अधिक समय से बिजली कनेक्शन की प्रतीक्षा कर रही है। कंपनी द्वारा बिजली कनेक्शन के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गईं थी, यहाँ तक 31 दिसंबर 2025 को 2 लाख 48 हजार 900 रुपए की राशि भी जमा कर दी गई, उसके बावजूद आज तक कंपनी को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराया गया है। बिजली कनेक्शन नहीं मिलने के कारण कंपनी को अपना कार्य डीजल जनरेटर के सहारे संचालित करना पड़ रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उद्योगों को समय पर आधारभूत सुविधाएं नहीं मिलेंगी तो सरकार की उद्योग प्रोत्साहन योजनाओं का उद्देश्य प्रभावित होगा। एक ओर सरकार निवेश आकर्षित करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाओं में देरी से उद्यमियों का मनोबल कमजोर होता है। आज यह मामला केवल एक कंपनी का नहीं है, बल्कि उन हजारों युवाओं और उद्यमियों की उम्मीदों से जुड़ा है जो अपने क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर रोजगार सृजित करना चाहते हैं।

बिजली कनेक्शन नहीं मिलने से युवा डीजल जनरेटर के भरोसे

दिव्यांगजनों के लिए निर्मित होंगे उपकरण

क्षतिपूर्ति मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा तैयार किए गए योजना के तहत कंपनी में दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर, बैसाखी, वॉकर और अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों के निर्माण का कार्य शुरू करने जा रही है। यह उद्योग न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा बल्कि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान को भी मजबूती देगा।

समय पर सुविधाएं उपलब्ध करवानी होगी

कंपनी के संस्थापक भूपेंद्र मिश्रा का कहना है कि जब भुगतान करने के छह माह बाद भी बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाता, तब मेक इन इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे अभियान केवल नारों तक सीमित नजर आते हैं। यदि सरकार वास्तव में रोजगार और उद्योग बढ़ाना चाहती है, तो नए उद्यमों को समय पर बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना होगा।

समझौता बैठक के दौरान बिगड़ा माहौल, हाथापाई की भी खबर

धर्मांतरण को लेकर कोलियारी व कच्चे में बढ़ा विवाद, ग्रामीणों की बैठक में हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कोरर थाना क्षेत्र के ग्राम कोलियरी में धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर एक बार फिर माहौल गर्मा गया है। गांव में आयोजित एक बैठक के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि स्थिति तनावपूर्ण हो गई और हाथापाई की नौबत आ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। हालांकि पुलिस और प्रशासन की सक्रियता से फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन गांव में इस मुद्दे को लेकर चर्चा और असंतोष का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार ग्राम कोलियरी में धर्मांतरण से जुड़े एक मामले को लेकर आदिवासी समाज सहित सर्व समाज के लोगों ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियों को लेकर उनकी चिंता लगातार बढ़ रही है। इसी विषय पर चर्चा और समाधान की कोशिश के उद्देश्य से गांव में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान ग्रामीणों और संबंधित धर्मांतरित परिवार के बीच बातचीत हुई।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने परिवार को अपनी बात समझाने और गांव की परंपराओं के अनुरूप निर्णय लेने का आग्रह किया। दूसरी ओर, धर्मांतरित परिवार की ओर से ग्राम प्रमुखों के खिलाफ शिकायत किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ लोगों के बीच हाथापाई की घटना भी हुई। घटना की सूचना मिलते ही कोरर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों से अलग-अलग चर्चा कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

कोलियारी में पुलिस की मौजूदगी में और कच्चे में समाज प्रमुखों के सामने दी समझाइश

पुलिस की उपस्थिति में हुई बैठक

पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विवाद के शांतिपूर्ण समाधान और आपसी संवाद को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। पुलिस एवं प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

कच्चे में धर्मांतरित परिवारों को समाज प्रमुखों ने मूलधर्म में लौटने दी समझाइश

***भानुप्रतापपुर।** ग्राम कच्चे में क्षेत्र में कथित रूप से हो रहे धर्मांतरण को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित समाज प्रमुखों एवं ग्रामीणों ने धर्मांतरण के विषय पर चिंता व्यक्त की। इस दौरान ईसाई धर्म का पालन कर रहे लोगों से चर्चा कर उन्हें अपने मूल धर्म में वापस आने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजित बैठक में यह भी कहा गया कि जो लोग मूल धर्म में वापस नहीं आएंगे, उनके संबंध में ग्राम व्यवस्था एवं सामाजिक परंपराओं के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। बैठक में गोंडवाना समाज ब्लॉक अध्यक्ष हरिश्चंद्र कावड़े, कच्चे सरपंच कांति हिड़को, साल्हे सरपंच संतोष पद्दा, परेकोड़ो सरपंच प्रतिनिधि सुनाऊ गावड़े, शीतला समिति अध्यक्ष कैलसिंग नेताम, पिछड़ा वर्ग समाज ब्लॉक अध्यक्ष ज्वाला प्रसाद जैन, सर्व आदिवासी समाज ग्राम अध्यक्ष संतोष भूआर्य, ग्राम पटेल चन्द्रमन भूआर्य, सोमजी पटेल, नरोत्तम मरकाम, जीवराखन सलाम, देवलाल नेताम, श्याम साय सलाम, धनराज यादव, हरिश्चंद्र महतो, छगन देवांगन, रतन कावड़े, सहदेव पद्दा, नेतराम साहू, मुकेश कौड़ो सहित समाज प्रमुख एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।*

नरहरपुर थाने में मामला दर्ज

पति और दूसरी पत्नी पर मारपीट-धमकी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नरहरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जामगांव में एक महिला के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति और उसकी दूसरी पत्नी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया। विकासखंड नरहरपुर के अंतर्गत ग्राम जामगांव निवासी 35 वर्षीय उषा रजक ने थाना नरहरपुर में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर पुलिस को बताया कि वर्ष 2010 में उसका विवाह लोकेश रजक से हुआ था तथा उनके दो बच्चे हैं। वर्ष 2021 में उसके पति लोकेश रजक ने जागेश्वरी नामक महिला को दूसरी पत्नी बनाकर घर में रख लिया था, जिसके कारण पारिवारिक विवाद बढ़ गया। बाद में ग्रामीणों की बैठक के माध्यम से मकान का बंटवारा कर दोनों पक्ष अलग-अलग रहने लगे। वह अपने बच्चों के साथ कोण्डागांव स्थित मायके में रह रही थी और बीच-बीच में जामगांव आती-जाती थी।

गत 4 जून को जब वह जामगांव पहुंची तो देखा कि उसके हिस्से के मकान में भी पति लोकेश रजक और जागेश्वरी रह रहे हैं। मकान खाली करने के लिए कहने पर 7 जून तक घर खाली करने का आश्वासन दिया गया था। 8 जून को जब वह पुनः अपने घर पहुंची तो दोनों आरोपियों द्वारा मकान खाली नहीं किया गया था। इसी दौरान दोपहर लगभग डेढ़ बजे लोकेश रजक वहां पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा हाथ-थप्पड़ से मारपीट करने लगा। लोकेश ने अपनी दूसरी पत्नी जागेश्वरी को भी मारपीट करने के लिए उकसाया, जिसके बाद उसने भी बाल पकड़कर मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि मारपीट से उसके बांये हाथ की कलाई और दाहिने पैर की उंगली में सूजन आ गई तथा बाल खींचने से सिर में दर्द हो रहा है। शिकायत पर आरोपी लोकेश रजक एवं जागेश्वरी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(3) एवं 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पादरगांव में एसएसबी ने कराया सामूहिक योगाभ्यास

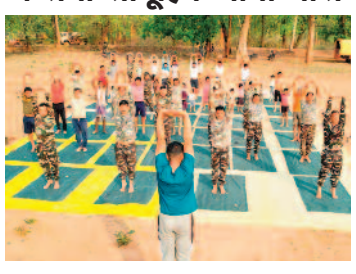

कांकेर। 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के तहत चल रहे 100 दिन योगा अभियान के अंतर्गत 33 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल केवटी द्वारा ग्राम पादरगांव में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, अधिकारियों एवं बलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी।

मावा मोदेल, नियद नेल्लार और अधोसंरचना विकास ने गढ़ी नई कहानी

नक्सलगढ़ में विकास का दमदार चेहरा बने नीलेश, जिले में पूरे किए दो साल

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की रफ्तार बढ़ाने, शिक्षा को नई दिशा देने और प्रशासन को जनहित के अधिक करीब लाने की पहल करने वाले कांकेर कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले में अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। प्रशासनिक स्थिरता और विकासात्मक उपलब्धियों के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर विधायक, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जानकारी के अनुसार कांकेर जिले में पिछले एक दशक के दौरान कई कलेक्टरों की पदस्थापना हुई, लेकिन अधिकांश कलेक्टरों का कार्यकाल दो वर्ष तक नहीं पहुंच सका। दस वर्षों में चौदहवें कलेक्टर के रूप में 2015 में पदस्थ शम्मी आबदी ने दो साल का कार्यकाल पूरा किया था, उसके बाद टामन सिंह सोनवानी, रानू साहू, डोमन सिंह, केएल चौहान, चंदन कुमार, प्रियंका शुक्ला और अभिजीत सिंह का कार्यकाल दो साल तक नहीं रहा। अभिजीत सिंह के उपरांत नीलेश कुमार महादेव कांकेर के 22 वें कलेक्टर के रूप में 9 जून 2024 को कार्यभार संभाला था, जिन्होने 9 जून को दो साल का कार्यकाल पूरा किया। जिले में करीब 10 साल में 08 कलेक्टरों की पदस्थापना हुई, लेकिन किसी भी का कार्यकाल दो वर्ष तक नहीं पहुंच सका। ऐसे में आईएएस अधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर जिले के उन चुनिंदा अधिकारियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने कांकेर में लगातार दो वर्षों तक कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। यह उपलब्धि प्रशासनिक स्थिरता और निरंतरता के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

35 से अधिक पुलों का निर्माण

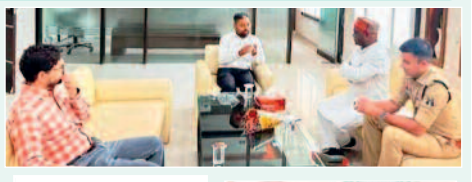

शिक्षा और जनसेवा के क्षेत्र में दर्ज हुई बड़ी उपलब्धियां

विधायक आशाराम ने सराहा कार्यकाल जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

विधायक ने की सराहना

दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर से सौजन्य मुलाकात की और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधायक ने उनके कार्यकाल के दौरान जिले में हुए विकास कार्यों, प्रशासनिक समन्वय तथा जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले के विकास और शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मावा मोदेल ने पूरे प्रदेश में बनाई नई पहचान

कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के दो वर्षीय कार्यकाल में कांकेर जिले ने विकास के कई महत्वपूर्ण आयाम स्थापित किए। अतिसंवेदनशील और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 35 से अधिक पुलों का निर्माण कर आवागमन को सुगम बनाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में जिले के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। उनकी अभिनव सोच से शुरू हुई मावा मोदेल पहल ने पूरे प्रदेश में नई पहचान बनाई, वहीं नियद नेल्लार योजनाके माध्यम से नक्सल प्रभावित गांवों तक सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचीं, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया।

खबर संक्षेप

फसल नुकसान के सदमे में बुजुर्ग किसान ने पीया जहर, जंगल में मिला शव

फरसगांव। थाना फरसगांव क्षेत्र के ग्राम भानपुरी में एक किसान द्वारा जहर सेवन कर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान केशव हलधर (65 वर्ष), निवासी जुगानी कैंप, थाना फरसगांव के रूप में हुई है। बताया गया कि रविवार को वह अपने खेत में मजदूरों के साथ मक्का फसल की साफ-सफाई कर रहा था। इस दौरान खेत में फसल अवशेष जलाने के समय आग पड़ोसी के खेत तक पहुंच गई, जिससे मक्का की फसल और ड्रिप पाइप को नुकसान हुआ। परिजनों के अनुसार घटना के बाद नुकसान की भरपाई को लेकर आपसी सहमति भी बन गई थी, लेकिन किसान मानसिक रूप से परेशान था। सोमवार की सुबह वह अकेले खेत की ओर गया था। बाद में ग्राम भानपुरी के जंगल में उसका शव पड़ा मिला। मौके से जहर का डिब्बा भी बरामद हुआ है। पुलिस का मानना है कि फसल नुकसान और उससे उपजे तनाव के कारण किसान ने यह कदम उठाया हो सकता है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फरसगांव के चीरघर में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद मगलवार को शव परिजनों को सौंपा दिया जाएगा। फिलहाल फरसगांव पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीमा कंपनी अदा करेगी वाहन के आईडीवी मूल्य की राशि 11 लाख

जगदलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने मंगलवार को एक प्रकरण में आवेदक को टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड रायपुर द्वारा वाहन पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त होने पर आईडीवी मूल्य की राशि 11 लाख रुपए एवं मानसिक क्षतिपूर्ति हेतु 10 हजार रुपए पृथक से देने का आदेश दिया है। यह आदेश आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल, सदस्य आलोक कुमार दुबे और सीमा गोलछा की संयुक्त खंडपीठ द्वारा जारी किया गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर निवासी मोहम्मद अशफाक की हुण्डई क्रेटा कार का बीमा टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया था। आवेदक की उक्त वाहन एक सड़क दुर्घटना में पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिस हेतु आवेदक द्वारा आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीमा कंपनी के समक्ष क्षति दावा प्रस्तुत किया गया था। जिस पर बीमा कंपनी द्वारा सर्वे करवाने के पश्चात, घटना का चालक बदले जाने के कारण आवेदक का क्षति दावा निरस्त कर दिया गया था। इसे क्षुब्ध होकर आवेदक द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष शिकायत पेश की गई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग ने माना कि बीमा कंपनी यह प्रमाणित करने में असफल रही है। घटना के समय के वाहन चालक को बदला गया है। बीमा धारक की ओर से इस तरह के उल्लंघन को बीमाकर्ता द्वारा यह दिखाने के लिए स्थापित किया जाना चाहिए कि न केवल बीमाधारक ने अधिनियम के उल्लंघन में वाहन का उपयोग किया या उपयोग करने की अनुमति दी बल्कि यह भी कि उसे जो भी नुकसान हुआ है, वह उसे उल्लंघन से हुआ है। साथ ही बीमा कंपनी को दायित्व से बचने के लिए बचाव को स्थापित करना होगा एवं बीमा शर्तों के उल्लंघन होने के प्रमाण का भार बीमा कंपनी पर होगा। इस कारण बीमा कंपनी द्वारा दावे से अस्वीकार करना अवैध है। आवेदक को हुई मानसिक परेशानी हेतु 10 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति पृथक दिए जाने का आदेश पारित किया गया है।

स्वस्थ पुलिस बल से बेहतर पुलिसिंग पर जोर

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में पुलिस कर्मियों का हुआ हेल्थ चेकअप

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुधावा

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए कांकेर पुलिस द्वारा लगातार जनकल्याणकारी एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में चौकी दुधावा में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 34 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के नेतृत्व तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी, संभावित बीमारियों की समय पर पहचान तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। चौकी प्रभारी दुधावा निरीक्षक योगेन्द्र वर्मा द्वारा स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर आयोजित इस शिविर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारवंडी की चिकित्सकीय टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। टीम में डॉ. जितेन्द्र देवदास, एचएस विनोद, लोकेश मरकाम तथा आरएचओ सुनीता नेताम शामिल रहीं। शिविर के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप जांच, शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किए गए। चिकित्सकों ने पुलिस कर्मियों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त विश्राम करने तथा योग एवं व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिसिंग एक चुनौतीपूर्ण एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है, जिसमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर पुलिस कर्मियों के मनोबल, कार्यक्षमता एवं स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कांकेर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पुलिस बल के स्वास्थ्य, मनोबल और कार्य दक्षता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं कल्याण संबंधी कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाता रहेगा।

कलेक्टर ने सौंपा परिवार को

4 माह की अबोध बच्ची को मिला सूरत के जैन दम्पति का साया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विशेषीकरण दत्तक ग्रहण एजेंसी की देखरेख में पल रही चार माह की बच्ची को अब नए माता-पिता मिल गए हैं। सूरत गुजरात निवासरत भारतीय दम्पति हार्दिक एवं शिक्षा जैन को दत्तक ग्रहण विनिमय के तहत बच्ची को गोद दिया गया।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने मंगलवार को अपने कक्ष में उक्त दम्पति के हाथों में बालिका देविका को सौंपा तथा उन्हें मिठाई खिलाकर अपनी शुभकामनाएं दीं। इस तरह बच्ची को माता-पिता का साया मिल गया, वहीं जैन दम्पति को अबोध बच्ची के रूप में परिवार का नया सदस्य मिला। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विपिन जैन ने बताया कि सूरत गुजरात के दंपति हार्दिक व शिक्षा जैन का पंजीयन केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण में हुआ था, जिन्हें इस बालिका को 10 अप्रैल 2026 को रेफरल किया गया तथा 12 अप्रैल को बच्ची को रिजर्व किया गया। इसके बाद उन्होने बच्ची से मुलाकात कर उसे स्वीकार किया। प्राधिकरण के नियमानुसार 09 जून को कोर्ट आर्डर के लिए कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत हुए तथा कलेक्टर ने नियमानुसार जैन दम्पति को उक्त बच्ची को सौंपा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्ची को पाकर भावी दत्तक माता-पिता काफी खुश थे। ज्ञात हो कि जिले में संचालित विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी से अब तक 21 बच्चों को दत्तक के तौर पर दिया गया है व अन्य राज्यों में 32 बच्चों को दत्तक में दिया गया। वहीं विदेशों में 09 बच्चों को दत्तक के रूप में दिया गया है। वर्तमान में 44 भावी दत्तक माता-पिता विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी में पंजीकृत है।

जेसीबी चालक पर मामला दर्ज

घरेलू सहायिका से मारपीट और गला दबाने का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

नरहरपुर थानांतर्गत स्थानीय वार्ड क्रमांक 08 में एक घर में पिछले 10 वर्षों से काम कर रही बुजुर्ग महिला के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना नहरपुर में शिकायत करने पहुंची मूल रूप से ओडिशा के खारीआर (नौपाडा) की निवासी 58 वर्षीय सुमिता माझी वर्तमान में नरहरपुर के वार्ड नंबर 8 में ट्रांसपोर्ट व्यवसायी रविकांत ठाकुर के घर पर रहकर घरेलू कार्य करती हैं। इसी घर के एक अन्य कमरे में रविकांत ठाकुर की जेसीबी चलाने वाला चालक बालोद जिला के सनौद निवासी 23 वर्षीय हितेश कुमार निषाद भी रहता है। घटना बीते सोमवार 8 जून की शाम की है। पीड़िता सुमिता माझी ने आंगन में सूख रहे हितेश निषाद और अन्य ड्राइवरों के अंडरवियर व बनियान को समेटकर हितेश के कमरे के दरवाजे के पास रख दिया था, ताकि कपड़े सुरक्षित रहें। रात लगभग साढ़े 8 बजे आरोपी चालक हितेश निषाद अत्यधिक शराब के नशे में वहां पहुंचा और कपड़े वहां रखे होने की बात पर भड़क गया और गालियां देने लगा। जब पीड़िता ने उसे समझाया कि कपड़े उसने ही संभाल कर रखे हैं, तो आरोपी आवेश में आ गया। आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी देते हुए उसके बाल खींचकर दीवार पर दबा दिया और गला घोंटने का प्रयास किया।

चीख-पुकार सुनकर पड़ोस के किराए के कमरे में रहने वाले पीताम्बर साहू और उनकी पत्नी चेतना साहू तुरंत मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर पीड़िता की जान बचाई। आरोपी के हमले से पीड़िता के सिर और गर्दन में गंभीर दर्द व चोटें आई हैं। पीड़िता ने इस मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी हितेश निषाद के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 351 (3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

विधायक ने किया आरक्षित भूमि का अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

विधायक नीलकंठ टेकाम के प्रयासों एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से 3 करोड़ की लागत से आदिवासी समाज भवन की स्वीकृति मिलने पर नगर पंचायत केशकाल में आदिवासी समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं प्रमुख पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एवं विधायक का आभार जताया। बैठक के दौरान आदिवासी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष फरसु सलाम ने कहा कि लंबे समय से समाज भवन की मांग की जा रही थी, जिसकी स्वीकृति मिलना पूरे आदिवासी समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने भवन निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने का आग्रह किया। बैठक उपरांत विधायक नीलकंठ टेकाम, आदिवासी समाज के प्रमुखजनों एवं समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे आदिवासी समाज द्वारा आरक्षित भूमि का स्थल निरीक्षण एवं अवलोकन किया। इस दौरान समाज भवन के प्रस्तावित स्वरूप एवं निर्माण संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सुशासन तिहार से मिली नई उम्मीद

ई-रिक्शा से आत्मनिर्भर बनेंगी अघन्तीन नेताम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

- श्रम विभाग की योजना से मिला रोजगार का स्थायी साधन

सुशासन तिहार के तहत श्रम विभाग की ई-रिक्शा सहायता योजना ने ग्राम चरकई निवासी सुश्री अघन्तीन नेताम के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों ई-रिक्शा प्राप्त कर उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

अघन्तीन नेताम पहले परिवार की सहायता के लिए दैनिक मजदूरी रेजा-कुली का कार्य करती थीं। सीमित आय और अनिश्चित रोजगार के कारण परिवार की जरूरतों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत करना नहीं छोड़ा। अघन्तीन के छोटे भाई को श्रम विभाग की ई-रिक्शा सहायता योजना की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने उन्हें आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। आवश्यक पात्रता और दस्तावेज पूरे कर ऑनलाइन आवेदन किया गया, जो स्वी—त होने पर उन्हें सहायता राशि और ई-रिक्शा प्राप्त हुआ। ई-रिक्शा मिलने से अघन्तीन को रोजगार का स्थायी साधन प्राप्त हुआ है। इससे उन्हें नियमित आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा और वे अपने माता-पिता की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी सहयोग कर सकेंगी। अघन्तीन नेताम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल ने उनके जीवन को नई दिशा, नई पहचान और आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है।

जंगल में चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस का छापा, 4 जुआरी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

- आरोपियों के कब्जे से 9,250 रुपये नकदी मोबाइल और 7 दोपहिया वाहन जब्त

थाना पुलिस ने जुआ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम कुमगांव के जंगल में चल रहे जुआ फड़ पर छापा मारकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 9,250 रुपये नकद, ताश के 52 पत्ते, चार मोबाइल फोन और सात दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कुमगांव के जंगल किनारे महुआ पेड़ के नीचे कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना फरसगांव की टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी और चार लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में हरिराम नेताम (35) निवासी गारावंडी टोटीपारा थाना केशकाल, राजकुमार कोर्राम (32) निवासी बरकई थाना फरसगांव, नरेंद्र कुमार बघेल (35) निवासी पाण्डेआठगांव थाना फरसगांव तथा गजानंद कुमार ताम्रकार (29) निवासी चिटोटी थाना गुरूर जिला बालोद, हाल निवासी कोण्डागांव शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3 के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा एवं एसडीओपी अरुण नेताम के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर श्रीवास्तव तथा पुलिस टीम ने की।

मशरूम अचार निर्माण से छात्राओं ने दिखाई नवाचार और स्वरोजगार की राह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणपुर

- कृषि महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तैयार किया गया पौष्टिक मशरूम अचार

कृषि क्षेत्र में मूल्यवर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मशरूम अचार का निर्माण किया गया, जिसने महाविद्यालय में विशेष आकर्षण प्राप्त किया। छात्राओं ने आधुनिक प्रसंस्करण तकनीकों एवं पारंपरिक स्वाद का समन्वय करते हुए स्वादिष्ट एवं पौष्टिक मशरूम अचार तैयार किया। यह पहल ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार एवं लघु उद्योग की संभावनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मशरूम अचार निर्माण के लिए ताजे मशरूम के साथ सरसों तेल, हल्दी, लाल मिर्च, नमक, राई, मेथी, सौंफ एवं अन्य मसालों का उपयोग किया गया। छात्राओं ने स्वच्छता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए मशरूम को उबालकर एवं सुखाकर पारंपरिक विधि से अचार तैयार किया। संतुलित मसालों के प्रयोग से अचार का स्वाद एवं गुणवत्ता दोनों बेहतर बनाए गए। इस गतिविधि के माध्यम से छात्राओं को मशरूम संरक्षण एवं मूल्यवर्धन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. रत्ना नशीने के मार्गदर्शन तथा सा. प्राध्यापक डॉ. नवीन मरकाम, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. देवेंद्र कुर्रे, डॉ. सविता आदित्य, डॉ. मदनलाल कुर्रे, डॉ. गौतम भास्कर, डॉ. पुष्पराज दीवान, डॉ. नवनीत ध्रुवे एवं डॉ. विवेक विश्वकर्मा (पादप रोग विज्ञान) के निर्देशन में संपन्न हुआ। सभी शिक्षकों ने छात्राओं को मशरूम प्रसंस्करण, पैकेजिंग, संरक्षण एवं विपणन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों के अनुसार मशरूम में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन एवं खनिज तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। मशरूम अचार न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि यह लंबे समय तक सुरक्षित रहने वाला मूल्यवर्धित उत्पाद भी है। उचित ब्रांडिंग एवं विपणन के माध्यम से ऐसे उत्पाद ग्रामीण युवाओं के लिए आय का अच्छा स्रोत बन सकते हैं। इस गतिविधि में छात्राएं रश्मि सिंह, प्रिया मौर्य, रश्मि बघेल एवं राधिका नेताम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। छात्राओं ने मशरूम अचार निर्माण से लेकर पैकेजिंग एवं प्रस्तुतीकरण तक की पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न किया। महाविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे कृषि आधारित उद्यमिता की दिशा में प्रेरणादायक पहल बताया।

परेशान 6 भाई बहनों ने कलेक्टर से न्याय दिलाने की मांग की

निजी जमीन को खेल मैदान बनाने का षड्यंत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

एक परिवार के 6 भाई बहनों ने गांव के 14 लोगों के खिलाफ परेशान करने की लिखित शिकायत कलेक्टर से की है। मामला केरेगांव पंचायत के आश्रित ग्राम रायपारा का है।

सोमवार को रायपारा से कलेक्टोरेट पहुंचे भुखऊराम, सोनसाय, चमरीनबाई, गोमती, सोंतीबाई, कुंतीबाई ने बताया कि वे सभी भाई बहन हैं। उनके पिता परसराम निषाद की मौत हो चुकी है। वे रायपारा के कृषक हैं। उनके नाम पर ग्राम रायपारा में खसरा नंबर 34 रकबा 3.50 हेक्टेयर जमीन है।

उन्होंने गांव के 14 लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत कर कहा है कि वे लोग ग्रामवासियों को उनके खिलाफ भड़काकर उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। आए दिन लड़ाई झगड़ा पर आमादा हो जाते हैं। उनकी जमीन पर लगी फसल की चोरी कर लेते हैं। पूर्व में थाना केरेगांव तथा पुलिस अधीक्षक से भी शिकायत कर चुके है। न्यायालय नगरी में व्यवहार वाद एवं परिवाद प्रस्तुत किए हैं, जिसकी सुनवाई लंबित हैं। इसके बावजूद कुछ ग्रामीण एकराय होकर एन-केन प्रकारेण उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उनके खिलाफ जानबूझकर झूठी शिकायत की जाती है। उनकी निजी जमीन को खेल मैदान घोषित करने षड्यंत्र रचा जा रहा है, जिससे परेशान हो चुके हैं।

सहयोग चौपाल में सुनी गईं समस्याएं, पुलिस नगर पालिका ने मिलकर कराया समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कोण्डागांव पुलिस द्वारा संचालित 'सहयोग चौपाल' पहल के तहत अजाक थाना परिसर में विशेष चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन, नगर पालिका परिषद और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान किया गया।

जानकारी के अनुसार अजाक परिसर से लगे पुराने व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स को हटाकर नए कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण के लिए की गई गहरी खुदाई के कारण समीप स्थित पुलिस कॉलोनी के कुछ आवासों के बाथरूम, शौचालय एवं दीवारों को नुकसान पहुंचा था। इससे वहां निवासरत कर्मचारियों और परिवारों में नाराजगी का माहौल बन गया था। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन में आयोजित सहयोग चौपाल में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रूपेश कुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय एवं अजाक थाना प्रभारी उप निरीक्षक अमिताभ खाण्डेकर मौजूद रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार, प्रभावित परिवारों एवं अन्य नागरिकों को आमंत्रित कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। दोनों पक्षों के बीच खुली चर्चा कर समाधान के लिए आवश्यक सहमति बनाई गई। चौपाल के दौरान उठाई गई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया।

सहयोग चौपाल, जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच

पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा द्वारा शुरू की गई 'सहयोग चौपाल' पहल को लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इस मंच के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच संवाद बढ़ रहा है तथा छोटी-बड़ी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान किया जा रहा है। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ नगर पालिका परिषद के प्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चर्चा और सहमति के बाद प्रभावित नागरिकों तथा निर्माण एजेंसी दोनों ने समाधान पर संतोष व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस प्रकार की पहल से विवादों का त्वरित और शांतिपूर्ण समाधान संभव हो रहा है।

खबर संक्षेप

एक पेड़ मां के नाम से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

बीजापुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व ने ग्राम नैमेड़ में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा स्थानीय समुदाय को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक एवं सहभागी बनाना था। आयोजन फील्ड डायरेक्टर स्टायलो मंडावी एवं उप संचालक संदीप बलगा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी, डॉ. सुनील शर्मा, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारी, पेट्रोलिंग गार्ड तथा ग्राम नैमेड़ बीजापुर एवं गुदमा की ईको डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उनकी सुरक्षा एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। उपस्थित प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, वन एवं वन्यजीव सुरक्षा, अवैध वन्यजीव व्यापार की रोकथाम तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के संबंध में जानकारी दी गई।

प्रसव पूर्व देखभाल व जांच के बारे में दी गई जानकारी

दंतेवाड़ा। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में जिले के सभी विकासखंडों में अभियान की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को उनकी गर्भावस्था की दूसरी एवं तीसरी तिमाही के दौरान निर्धारित दिवस पर गुणवत्तापूर्ण एवं व्यापक प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 तारीख को जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला चिकित्सालय में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क प्रसव पूर्व जांच की जाती है। अभियान की दसवीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में विशेष संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों को सुरक्षित मातृत्व, प्रसव पूर्व देखभाल, पोषण तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

90 आत्मसमर्पित नक्सली बनेंगे साक्षर

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार जिले में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत पुनर्वास केंद्र बीजापुर में साक्षरता केंद्र के छठवें बैच का शुभारंभ किया गया। इस बैच में 90 असाक्षर आत्मसमर्पित नक्सली बुनियादी साक्षरता एवं अंकज्ञान प्राप्त कर शिक्षित बनने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों को शिक्षा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना है। इसका सकारात्मक परिणाम हाल ही में कोण्डापल्ली में आयोजित सुशासन तिहार के दौरान देखने को मिला, जहां मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान एक आत्मसमर्पित नक्सली दंपति ने बताया कि पुनर्वास केंद्र में प्राप्त साक्षरता एवं अंकज्ञान ने उनके जीवन में नई रोशनी लाई है। शिक्षा के माध्यम से वे आज सफलतापूर्वक दुकानदारी का व्यवसाय कर अपनी आजीविका चला रहे हैं। इस अवसर पर शिक्षार्थियों को उल्लास प्रवेशिका, मार्गदर्शिका, अभ्यास पुस्तिका, पेन सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

माता हिंगलाजिन विद्यापीठ की प्रबंध समिति की बैठक में शिक्षा के विस्तार व विकास पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

नव युवा जनजागरण द्वारा संचालित माता हिंगलाजिन विद्यापीठ बकावंड की प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में विद्यालय के संचालन, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों के हितों तथा आगामी विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

संस्था के बायलॉज में निर्धारित मापदंडों के अनुसार संस्था का सदस्य बनने के इच्छुक व्यक्तियों को निर्धारित सदस्यता शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। सदस्यता की श्रेणियां एवं शुल्क निम्नानुसार निर्धारित किए जाते हैं। संरक्षक सदस्य 5000, आजीवन सदस्य 4000, सामान्य सदस्य के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क 120 निर्धारित किया जाता है, जो वर्ष में एक बार अथवा मासिक आधार पर जमा किया जा सकेगा। सदस्यता शुल्क जमा करने के उपरांत ही संबंधित व्यक्ति को संस्था का सदस्य माना जाएगा तथा उसे संस्था के बायलॉज में प्रदत्त अधिकार एवं दायित्व प्राप्त होंगे।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि माता हिंगलाजिन विद्यापीठ में कक्षा पहली से लेकर दसवीं तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। विद्यालय में अनेक गरीब परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है, जिससे क्षेत्र के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा का लाभ मिल रहा है। बैठक में विद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक उपलब्धियों की समीक्षा की गई। इस दौरान रतन कश्यप, नवीन कुमार बघेल, धीरनार बघेल, तुलाराम मौर्य, जयराम निषाद, शिवशंकर, अर्जुन कश्यप, प्रहलाद चंद्राकर, तुला राम सेटीया, दुर्जन सिंह कश्यप, झाड़राम, जगमोहन बघेल, चंद्रशेखर, गोपाल कश्यप, ललित राम, दयानाथ कश्यप, ललित राम कश्यप, बलदेव कश्यप, शुकलधर, कमलबती कश्यप, मांगतीन भारती, गुलेद्री बघेल, कुमारी दर्वशी कश्यप, जया कश्यप, भगत निषाद, समदूराम कश्यप सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर जोर

प्रबंधन ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगातार 100 प्रतिशत रहा है, जो विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रबंधन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। विद्यालय में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं समाजसेवा की भावना से विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण सेवा प्रदान कर रहे हैं, जिसकी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार हेतु सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया। बैठक में विद्यालय से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए। उपस्थित सदस्यों ने विद्यालय के विकास एवं समाज के शैक्षणिक उत्थान के लिए निरंतर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बचेली के विकास और पेयजल संकट के समाधान के लिए उप मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

मंच से उप मुख्यमंत्री ने कहा- राजू जायसवाल की मांग संज्ञान में है, जल्द होगा निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बचेली/किरंदुल

नगर की मूलभूत और लंबे समय से लंबित समस्याओं के निराकरण के लिए नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल निरंतर सक्रियता दिखा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के क्षेत्र प्रवास के दौरान, पालिका अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की

- 5 टंकियों के बाद भी सूखा, पेयजल संकट का स्थायी समाधान

और नगर की प्रमुख मांगों को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से पेयजल संकट के स्थायी समाधान और गौरव पथ फेज-2 के अधूरे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की।

इससे पहले उप मुख्यमंत्री अरुण साव के बचेली पहुंचने पर भाजपा बचेली मंडल द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बचेली के हनुमान मंदिर चौक पर एकत्रित भाजपा

पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और गगनभेदी नारों के साथ उप मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र में भारी उत्साह का माहौल देखा गया, जहाँ कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

बचेली में ज्ञापन सौंपने के बाद किरंदुल में आयोजित एक भव्य लोकार्पण समारोह में शामिल होने पहुंचे उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस समस्या की गंभीरता को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। समारोह के मंच से बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से यह बात मानी कि नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने बचेली की पेयजल समस्या के स्थायी निराकरण के लिए उन्हें ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मंच से जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि यह गंभीर समस्या अब उनके संज्ञान में आ चुकी है और राज्य सरकार जल्द ही इसका उचित व स्थायी निराकरण करेगी। उप मुख्यमंत्री के इस खुले आश्वासन के बाद क्षेत्रवासियों में पेयजल संकट दूर होने की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।

गौरतलब है कि उप मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने नगर में गहराते जल संकट की ओर ध्यान आकर्षित किया था। उन्होंने बताया कि बचेली नगर में लगभग दो-दो लाख लीटर क्षमता की 5 पानी टंकियां निर्मित हैं, लेकिन पर्याप्त जल स्रोत न होने के कारण ये टंकियां शोपीस बनकर रह गई हैं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि नगर के कई वार्डों में 300 से 350 फीट तक बोरिंग कराने के बाद भी पानी नहीं निकल रहा है। इसके अलावा, नगर के 20 प्रमुख बोरवेलों में से 12 पूरी तरह प्रभावित (सूख चुके) हो चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में संकट और गंभीर होने की आशंका है। नगर पालिका अध्यक्ष ने इस समस्या के परमानेंट इलाज के रूप में मलांगीर से बचेली तक पाइपलाइन विस्तार योजना को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल स्वीकृति देने की मांग की है। इसी मांग पर उप मुख्यमंत्री ने किरंदुल के मंच से त्वरित सकारात्मक कार्रवाई की बात कही। ज्ञापन में नगर की दूसरी सबसे बड़ी समस्या 'गौरव पथ फेज-2' के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर उठाई गई। अध्यक्ष जायसवाल ने उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि लगभग दो किलोमीटर लंबी इस सड़क का आधा कार्य पिछले काफी समय से अधूरा पड़ा है। इस सड़क के बनने से न केवल नगर की यातायात व्यवस्था सुगम और सुरक्षित होगी, बल्कि बचेली के सौंदर्यीकरण को भी एक नया आयाम मिलेगा।

इन दो मुख्य मांगों के अलावा, नगर पालिका अध्यक्ष ने बचेली नगर के समग्र विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और अन्य पेंडिंग विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त फंड जारी करने का भी आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना, स्वागत के लिए आभार जताया और नियमों के तहत जल्द से जल्द सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बाढ़ आपदा राहत को लेकर कलेक्टर ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

कलेक्ट्रेट कार्यालय के तृतीय तल सभाकक्ष में कलेक्टर देवेश कुमार की अध्यक्षता में आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आहूत की गई। बैठक में आगामी मानसून वर्ष 2026 के संदर्भ में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था के कार्ययोजना के संबंध में कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागों द्वारा कार्य योजना की जानकारी चाही गई।

- पौधरोपण कार्यक्रम सहित अन्य बिंदुओं पर हुई विस्तार से समीक्षा

उन्होंने कहा कि आगामी मानसून को देखते हुए अधिकारी बाढ़ आपदा राहत केंद्रों में पूर्व से ही मरम्मतीकरण बिजली, पानी, राशन हेतु कार्ययोजना बना लेवे ताकि किसी भी परिस्थिति के समय जनजीवन को तात्कालिक राहत पहुंचाया जा सके। इसके साथ ही विद्युत विभाग को विशेष निर्देश दिया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत पावर लाइन के नजदीक के पेड़ों को चिन्हांकित करते हुए छटाई कटाई कार्य को पूर्व से ही कर लेवे। ताकि विद्युत अवरोध की स्थिति न उत्पन्न हो। इसके अलावा नगरीय निकाय क्षेत्रों में रोड किनारे के जर्जर पेड़ों को भी सार्वजनिक सुरक्षा की दृष्टि से पूर्व से ही कटाई कर लेवे ताकि किसी भी प्रकार की परिस्थिति न हों इसके साथ ही उन्होने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि वे वर्षा जनित बीमारियों के रोकथाम के लिए दवाईयों के भण्डारण के साथ-साथ मितानिनों की काउंसलिंग ट्रेनिंग भी करवाए। खाद्य विभाग को निर्देश दिया गया कि वे प्रभावित क्षेत्रों में राशन तथा अन्य दैनिक खाद्य सामग्रियों के वितरण को देखते हुए इसका भण्डारण किया जाना सुनिश्चित कर लेवें।

इसके अलावा छात्रावासों और शालाओं में छात्रों के स्वास्थ्य जांच तथा मलेरिया डेंगू से बचाव हेतु पूर्व सावधानियां बरतने के लिए स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति विभाग को निर्देशित किया गया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित किए : संतोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्षीय कार्यकाल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अवधि भारत के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की ऐतिहासिक यात्रा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से प्रारंभ हुई विकास यात्रा ने आज भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन, जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत अभियान, जीएसटी, नई शिक्षा नीति तथा किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में संचालित अनेक योजनाओं ने देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने कोरोना महामारी जैसी वैश्विक चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया तथा दुनिया के अनेक देशों को भी सहायता उपलब्ध कराकर मानवता की सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने निर्णायक नेतृत्व का परिचय दिया है।

ई-गजट पोर्टल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर नोडल अधिकारी नियुक्त

बीजापुर। डिरेगुलेशन 2.0 के अंतर्गत राज्य के सभी अधिनियमों, नियमों, विनियमों, शासनादेशों, परिपत्रों, अधिसूचनाओं एवं नीतियों को एक केंद्रीकृत डिजिटल रिपॉजिटरी के रूप में ई-गजट पोर्टल पर संधारित करने की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के ई-गजट पोर्टल में राजपत्रित तथा गैर-राजपत्रित अधिसूचनाओं के संधारण का प्रावधान किया गया है। जिला बीजापुर में पीए-22 की अनुशंसाओं के पूर्ण अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए राजपत्रित अधिसूचनाओं को ई-गजट पोर्टल के माध्यम से शासकीय मुद्रणालय भेजने तथा विभागीय गैर-राजपत्रित अधिसूचनाओं को पोर्टल पर अपलोड करने की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। उक्त कार्यों के सुचारू संचालन एवं समन्वय के लिए डिप्टी कलेक्टर मयंक सिंह मण्डावी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

गायत्री महामंत्र की गूंज से भक्तिमय हुआ राघव मंदिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरंदुल

नगर की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना के साथ राघव मंदिर परिसर में पहली बार आयोजित 24 घंटे का संगीतमय सामूहिक गायत्री महामंत्र अखंड पाठ रविवार सुबह 10 बजे विधिवत संपन्न हो गया।

शनिवार सुबह 10 बजे से आरम्भ हुआ था यह कार्यक्रम। इस धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रीराम जनकल्याण सेवा समिति राघव मंदिर परिवार और गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर गायत्री महामंत्र के पाठ, भजन-कीर्तन और धार्मिक गतिविधियों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ अखंड पाठ में भाग लिया। आयोजन के दौरान गायत्री परिवार किरंदुल, बचेली और दंतेवाड़ा सहित नगर की विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समितियों ने क्रमवार गायत्री महामंत्र का पाठ, भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक प्रस्तुतियां दीं। इससे पूरे आयोजन में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

अखंड पाठ की पूर्णाहुति के बाद गायत्री परिवार द्वारा वैदिक हवन और महाआरती का आयोजन किया गया।समापन पर राघव मंदिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ला की धर्मपत्नी स्वर्गीय अंतिमा शुक्ला की स्मृति में एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भोग-प्रसाद का वितरण किया गया। नगरवासियों ने इस आयोजन को सामाजिक एकता, आध्यात्मिक जागरण और सामूहिक आस्था का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

उर्वरक दुकानों का औचक निरीक्षण, सभी अभिलेख एवं स्टॉक मिले दुरुस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं तथा सरकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम मद्देड़ स्थित मेसर्स लक्ष्मी मार्केटिंग एवं बालाजी ट्रेडर्स एंड जनरल स्टोर में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन किया गया। संयुक्त दल ने दुकानों में उपलब्ध 20-20-0-13, यूरिया एवं टी.एस.पी. उर्वरकों के पास मशीन में दर्ज स्टॉक का भौतिक स्टॉक से मिलान किया। साथ ही उर्वरक विक्रय से संबंधित दस्तावेजों जैसे अनुज्ञप्ति प्रमाण-पत्र, ओ-फॉर्म की वैधता तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों के बीज विक्रय लाइसेंस, स्रोत प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का भी परीक्षण किया गया। जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई और सभी दस्तावेज नियमानुसार पाए गए। निरीक्षण दल में उग्रेश कुमार देवांगन एवं कृष्णा सिन्हा, सहायक संचालक कृषि तथा लक्ष्मण कुमार राठिया, तहसीलदार भोपालपटनम उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से इस प्रकार की जांच आगे भी जारी रहेगी।

त्वरित कार्रवाई आवश्यक ताकि प्रशासन पर बना रहे लोगों का भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोंड

विकासखंड बस्तर के राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े भोंड लामकेर-झारतराई सड़क की जर्जर स्थिति से लोग परेशान है। क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों, छात्रों, किसानों और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करने वाला गंभीर समस्या बन चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित इस मार्ग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करना था, जिससे लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाएं आसानी से मिल सके। लेकिन वर्तमान में सड़क की बदहाली ने इस उद्देश्य को प्रभावित किया है। ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायतें किए जाने, सुशासन तिहार में आवेदन देने और जनप्रतिनिधियों

का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। बारिश के मौसम में स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे स्कूली छात्र-छात्राओं, मरीजों और किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रभावशाली जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक नेताओं का गृह क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में लोगों की अपेक्षा अधिक रहती है कि मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। जब लंबे समय तक कोई ठोस पहल दिखाई नहीं देती।

// नाम परिवर्तन //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शालू देवांगन पिता टाखन देवांगन पति भूपेन्द्र मिश्रा निवासी वार्ड नं. 01. इन फ्रान्ट ऑफ ढेलकाबोड़ ग्राम पंचायत बड़ेपारा, कांकेर, तह./थाना कांकेर जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.) यह शपथ करती हूँ कि मैंने यह पुराना नाम को त्यागकर नया नाम - श्रीमति शालू मिश्रा पिता टाखन देवांगन पति भूपेन्द्र मिश्रा कर ली हूँ।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम श्रीमति शालू मिश्रा पति भूपेन्द्र मिश्रा से ही जाना व पहचाना जावे।

श्रीमति शालू मिश्रा
निवासी वार्ड नं. 01.
इन फ्रान्ट ऑफ ढेलकाबोड़
ग्राम पंचायत बड़ेपारा, कांकेर,
तह./थाना कांकेर
जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय में शुरू हुआ प्रवेश

कांकेर। जिले में संचालित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विशेष विद्यालय, छात्रावास कोदाभाट कांकेर में कक्षा पहली से बारहवीं तक के दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ बच्चों (बालक) का प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। इच्छुक पालक, अभिभावक अपने पुत्र, पाल्य को कार्यालयीन दिवस में सरोना रोड ग्राम कोदाभाट स्थित संस्था में उपस्थित होकर दाखिला करा सकते हैं। संस्था एवं छात्रावास में शासन द्वारा अध्ययन, भोजन, आवास, वस्त्र इत्यादि निःशुल्क प्रदाय किया जाता है।

धरती आबा बिरसा मुंडा के पुण्य तिथि पर कांग्रेसियों ने किया याद

कांकेर। राजीव भवन कांकेर में धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि के अवसर पर कांग्रेसियों ने याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर आदिवासी समाज और जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए उनके ऐतिहासिक संघर्षों को याद किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता नितिन पोटाई ने कहा कि आदिवासी गौरव धरती आबा बिरसा मुंडा महान स्वतंत्रता सेनानी थे उन्होंने जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए लड़ाई लड़ी, उनके नेतृत्व में किया गया मुंडा आंदोलन संथाल परगना के लिए मील का पत्थर साबित हुआ उनके कारण ही आदिवासियों के लिए जमीन संबंधी कानून बने। आदिवासियों की लड़ाई को वो देश के आजादी के पूर्व से ही लड़ रहे हैं थे। जहां धरती आबा बिरसा मुंडा जैसे जननायक अवतरित हुए, जिन्होने तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत को धूल चटाकर अपनी हिम्मत और वीरता का लोहा मनवा चुके हैं। बिरसा मुंडा में एक अद्भुत ईश्वरी शक्ति थी, जिसके कारण उन्हें लोग उन्हें भगवान बिरसा मुंडा कहने लगें। अल्प आयु में ही वे इस दुनिया से विदा हो गए, लेकिन उनके बताए सिद्धांत आज भी जीवित है। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यासीन कराणी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेश भास्कर, जिला महामंत्री अजय भासवानी, पूर्व शहर अध्यक्ष मनोज जैन, कृष्ण कुमार अत्री बाबा, हृदय राम शोरी, प्रमिला शोरी, लक्ष्मणपुरी गोस्वामी, सीमा मिश्रा, तरुण राय, अजय साहू, राजेश मिश्रा, अमित साहू व अन्य उपस्थित रहें।

वामन अवतार और कृष्ण जन्म प्रसंग ने बांधा भक्तों का मन

भानुप्रतापपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 13 स्थित मदन गिरी गोस्वामी के निवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत पुराण कथा का आध्यात्मिक प्रभाव

अब पूरे नगर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कथा के प्रत्येक दिवस के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और भक्तजन देर रात तक कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त कर रहे हैं। कथा वाचक आचार्य पंडित प्रमोद पांडेय अपने सरल, प्रभावशाली एवं गहन प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और अध्यात्म के विविध प्रसंगों से जोड़ रहे हैं। आयोजित कथा में आचार्य पंडित प्रमोद पांडेय ने भगवान विष्णु के पांचवें अवतार वामन अवतार का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यह प्रसंग भक्ति, सत्यनिष्ठा और भगवान की सर्वव्यापकता का प्रतीक है। असुर राजा बलि ने अपने पराक्रम से तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर ली थी, जिसके बाद देवताओं का स्वर्ग से विस्थापन होने लगा, तब माता अदिति के पुत्र के रूप में भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण किया। कथा के दौरान बताया गया कि नर्मदा तट पर यज्ञ कर रहे राजा बलि से वामन देव ने तीन पग भूमि दान में मांगी। संकल्प पूर्ण होते ही वामन भगवान ने विराट स्वरूप धारण कर एक पग में पृथ्वी और दूसरे पग में संपूर्ण ब्रह्मांड को नाप लिया। तीसरे पग के लिए राजा बलि ने अपना सिर प्रस्तुत कर दिया। उनकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का राजा बनने का वरदान दिया।

महानदी किसान संघ ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

खाद और डीजल की समस्या से जूझ रहे किसान 15 दिन में समाधान नहीं तो होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

- एकमुश्त खाद उपलब्ध कराने की मांग

खेती-किसानी के महत्वपूर्ण दौर में खाद और डीजल की उपलब्धता को लेकर किसानों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। किसानों का कहना है कि वर्तमान खाद वितरण प्रणाली और डीजल आपूर्ति व्यवस्था के कारण उन्हें अनावश्यक समय, श्रम और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर महानदी किसान संघ एवं क्षेत्र के कृषकों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन को सौपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में किसानों को खाद प्राप्त करने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि पूर्व की व्यवस्था के अनुसार एकमुश्त खाद उपलब्ध कराया जाए, जिससे उन्हें बार-बार चक्कर न लगाना पड़े और खेती के कार्य समय पर पूरे हो सकें। इसके अलावा ट्रैक्टरों के लिए डीजल आपूर्ति की मौजूदा व्यवस्था को भी किसानों ने अव्यवहारिक बताया है। किसानों का कहना है कि उन्हें डीजल लेने के लिए लगभग 15 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है, जिससे समय और श्रम के साथ-साथ अतिरिक्त डीजल भी खर्च होता है। किसान संघ ने मांग की है कि पूर्व की भांति ट्रैक्टर मालिकों को आवश्यकता अनुसार डिब्बे अथवा जरीकेन में डीजल उपलब्ध कराया जाए। महानदी किसान संघ के अध्यक्ष रामूराम नागराज ने कहा कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को तत्काल समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र के समस्त किसान राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

समस्याओं का जल्द हो निराकरण : किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खेती के इस महत्वपूर्ण समय में खाद एवं डीजल की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित कर उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए। ताकि कृषि कार्य प्रभावित न हो और किसानों को राहत मिल सके।

भानुप्रतापपुर। खरीफ सीजन की दस्तक के साथ ही क्षेत्र के किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। एक ओर खाद और बीज की कमी खेती की तैयारियों पर असर डाल रही है, तो दूसरी ओर डीजल की बढ़ती कीमतें और पेट्रोल पंपों पर केन में डीजल नहीं मिलने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर किसान संघ ब्लॉक भानुप्रतापपुर के नेतृत्व में किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपकर तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले ही किसानों को कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने और डीजल संकट के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। इन समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर किसान संघ ब्लॉक भानुप्रतापपुर के नेतृत्व में किसानों ने मंगलवार को

किसानों ने मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि वर्तमान समय में खेती की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, लेकिन आवश्यक खाद की उपलब्धता किसानों की जरूरतों के अनुरूप नहीं हो पा रही है। डीएपी और यूरिया की सीमित आपूर्ति के कारण किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल रही है, जिससे खेतों की तैयारी और बुवाई की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। किसानों का कहना है कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं होने से उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आगामी दिनों में आंदोलन की रणनीति भी बनाई जा सकती है। इस अवसर पर किसान संघ ब्लॉक भानुप्रतापपुर के अध्यक्ष तिलक दर्रो के नेतृत्व में अशोक शर्फे, वीरेन्द्र कोरेटी, चंद्रशेखर यदु, दुर्गा प्रसाद कोमरे, तेजपत्ती सोरी, द्वारिका प्रसाद यदु, बुलंद पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

किसानों को उठानी पड़ती है दिक्कत

किसानों ने डीजल की समस्या को भी गंभीर बताते हुए कहा कि लगातार बढ़ती कीमतों से खेती की लागत में भारी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही कई पेट्रोल पंपों में किसानों को केन में डीजल नहीं दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य बाधित हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि ट्रैक्टर, सिंचाई पंप, थ्रेसर और अन्य कृषि उपकरणों के संचालन के लिए खेतों तक डीजल पहुंचाना आवश्यक होता है। ऐसे में केन में डीजल नहीं मिलने से किसानों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

किसाना संघ ने रखी मांगें

किसान संघ ने प्रशासन से मांग की है कि किसानों के लिए डीएपी, यूरिया एवं अन्य आवश्यक खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही किसानों को आवश्यकतानुसार केन में डीजल उपलब्ध कराने तथा डीजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए जाएं, ताकि खेती-किसानी का कार्य बिना किसी बाधा के संचालित हो सके।

नवनिर्मित स्टेडियम बनेगा खिलाड़ियों का नया ऊर्जा केंद्र

कांकेर। जिले में खेल और शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा देने की दिशा में प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित नवनिर्मित स्टेडियम और जनकपुर वार्ड के शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय में स्थापित वित्तीय साक्षरता लैब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, उपलब्ध सुविधाओं और परियोजनाओं की उपयोगिता का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर उत्कृष्ट कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले में विकसित की जा रही खेल एवं शैक्षणिक अधोसंरचनाओं को लेकर प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसी उद्देश्य से निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सर्वप्रथम नवनिर्मित स्टेडियम का अवलोकन किया। उन्होंने स्टेडियम परिसर में विकसित खेल सुविधाओं, दर्शक दीर्घा, मैदान की गुणवत्ता, खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। साथ ही निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए शेष एवं अपूर्ण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम जिले के खिलाड़ियों के लिए नई संभावनाओं का केंद्र बनेगा तथा खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि खेल अधोसंरचना केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यहां खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं के आयोजन और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने स्टेडियम को जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा और ऊर्जा का केंद्र बनाने पर जोर दिया। इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय, जनकपुर वार्ड में स्थापित वित्तीय साक्षरता लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने लैब में उपलब्ध शिक्षण सामग्री, डिजिटल संसाधनों एवं विद्यार्थियों के लिए संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी वित्तीय समझ का आकलन किया।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से बैंकिंग प्रणाली, बचत की आदत, निवेश के महत्व, डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया, साइबर सुरक्षा और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को कम उम्र से ही वित्तीय अनुशासन और आर्थिक जागरूकता विकसित करने की सीख दी। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए और अपने अनुभव साझा किए।

विकसित होने वाले स्थलों की किया प्रशंसा

कलेक्टर ने दोनों स्थलों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए आवश्यक सुधार एवं विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे ऐसे प्रयास जिले के समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगे तथा युवाओं और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेंगे।

ओडिशा से 20 हजार में गांजा लाकर गांव में बेचने वाला बुजुर्ग गिरफ्तार

कांकेर। अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरोना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम नदीपारा मुड़पार दखनी में छापेमार कार्रवाई कर एक व्यक्ति के कब्जे से 2 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया है।

- घर में छिपाकर रखे 2.4 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 8 जून को मुखबिर से जानकारी मिली कि नदीपारा मुड़पार दखनी निवासी 67 वर्षीय गणेश राम रामटेके पिता स्व. सताऊ राम रामटेके अपने घर में अवैध रूप से गांजा रखकर उसकी बिक्री कर रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर

दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी अपने घर में रखी चावल की एक बोरी को छिपाने का प्रयास कर रहा था, जिससे पुलिस को संदेह हुआ। तलाशी लेने पर उक्त बोरी के भीतर सफेद प्लास्टिक की झिल्ली में रखा मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। मौके पर गांजा की पहचान एवं विधिवत तौल कराई गई, जिसमें कुल 2 किलो 400 ग्राम गांजा पाया गया। नियमानुसार दो नमूने निकालकर सीलबंद किए गए तथा शेष 2 किलो 300 ग्राम गांजा जब्त कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह गांजा ओडिशा के बोरई क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति से लगभग 20 हजार रुपये में खरीदकर लाया था और उसे फुटकर रूप से बेचता था।

एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र नहीं रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

- कांकेर ने खोया अपना जनप्रिय नेता

जिले की राजनीति और सामाजिक जीवन को गहरा आघात पहुंचा है। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस प्रदेश कार्यसमिति के सचिव एवं ठाकुर समाज कॉंकेर के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ठाकुर का हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मंगलवार 9 जून को दोपहर 3 बजे के आसपास निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने इसे जिले के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। कांग्रेस प्रदेश कार्यसमिति के सचिव एवं ठाकुर समाज कॉंकेर के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ठाकुर लंबे समय से राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। वे कॉंकेर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रह चुके थे और अपने कार्यकाल के दौरान नगर विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पहचाने जाते थे। जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रियता और लोगों के बीच उनकी सहज पहुंच ने उन्हें एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित किया था।

वर्तमान में वे कांग्रेस प्रदेश कार्यसमिति के सचिव के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे थे। इसके साथ ही वे ठाकुर समाज कॉंकेर के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत रहे और सामाजिक एकता तथा समाज के उत्थान के लिए लगातार प्रयासरत थे। उनके निधन के बाद जिले के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों ने कहा कि कांकेर के प्रिय नेता को खो दिया है। हैदराबाद से उनके शव को उनके परिजन लेकर देर शाम रवाना हो चुके है और संभवतः आज 10 जून को अंतिम संस्कार कांकेर में किया जाएगा। जितेंद्र सिंह ठाकुर का निधन न केवल उनके परिवार और समर्थकों के लिए, बल्कि पूरे कॉंकेर जिले के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। उनका सामाजिक योगदान और जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा।

शहर में यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि हाल के दिनों में जिले ने लगातार तीसरे बड़े राजनीतिक एवं सामाजिक चेहरे को खो दिया है। ऐसे में जिले के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बड़ी रिक्तता महसूस की जा रही है।

सड़क पर गिरी विशाल डाल को हटाकर दो प्रबुद्धजनों ने निभाया सामाजिक दायित्व

बासनवाही। ग्राम मुसुरपुट्टा के समाजसेवी एवं पर्यावरणविद् दीनानाथ नेताम तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बासनवाही के प्राचार्य देवकरण भास्कर ने श्रमदान कर सड़क पर गिरी एक विशाल पेड़ की डाल को हटाया और राहगीरों के लिए मार्ग को सुरक्षित एवं सुगम बनाया। जानकारी के अनुसार बासनवाही-दुधावा मुख्य मार्ग पर आंछीडोंगरी तालाब के समीप लगभग एक सप्ताह पूर्व आए तेज आंधी-तूफान के दौरान एक बड़े पेड़ की भारी-भरकम डाल टूटकर सड़क पर गिर गई थी। सड़क के बीचों-बीच पड़े इस अवरोध के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, वहीं चारपहिया वाहन चालकों को भी जोखिम उठाकर मार्ग पार करना पड़ रहा था। दोनों ने आवश्यक औजारों की व्यवस्था की और सड़क पर गिरी विशाल डाल को काटने एवं हटाने का कार्य शुरू किया। कड़ी मेहनत और श्रमदान के बाद मार्ग को पूरी तरह साफ कर दिया गया, जिससे आवागमन पुनः सुचारू और सुरक्षित हो गया। आज के समय में जहां अधिकांश लोग समस्याओं की शिकायत तक सीमित रहते हैं, वहीं दीनानाथ नेताम और देवकरण भास्कर ने स्वयं आगे बढ़कर समाधान प्रस्तुत किया है।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमर्वी, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - घातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज